

तेरी भेंटें गाता रहूं तेरे जगरातो में



आ जाए मेरा नाम,
तेरे कलाकारों में,
तेरी भेंटें गाता रहूं,
तेरे जगरातो में।bd।

तर्ज – जी लेंगे सरकार।

ना सुरों का ना ही लय का,
मुझको मैया ज्ञान है,
लाज रखना शैरोवाली,
अब तो तेरा काम है,
खो जाऊं मैं आज,
तेरे जयकारों में,
तेरी भेंटें गाता रहूं,
तेरे जगरातो में।bd।

नरेंद्र चंचल जी को तूने,
जैसे अपना प्यार दिया,
भेंटें तेरी गा के उसने,
नाम अपना अमर किया,
ऐसे ही गाऊं,
तेरे नवरात्रों में,
तेरी भेंटें गाता रहूं,
तेरे जगरातो में।bd।

तेरी भेंटें सुन के मैया,
कोई भी रह ना पायेगा,
इतनी कृपा कर दो अंबे,
'राजू' सबको नचाएगा,
झूम उठे आज सारे,
तेरे दरबारों में,
तेरी भेंटें गाता रहूं,
तेरे जगरातो में।bd।



तेरे कलाकारों में,
तेरी भेटें गाता रहूँ,
तेरे जगरातो में। bdi

गायक / लेखक – राजू पांडरी ।
9797318379
